कैसे लिखें कैसे छापें

# आपकी अपनी किताब

प्रियंका "आभास"

ऐसे ही दुर्लभ उपन्यास ( Novel ) ,

प्रेरणादायक पुस्तक

( Motivational Book ) ,

प्रीमियम बुक , प्रीमियम मैगजीन ,

और अन्य सभी तरह के ,

कहीं पर भी ना मिल पाने वाले

उपन्यास

और साहित्य को पढ़ने के लिए हमारे

टेलीग्राम ग्रुप और चैनल में

अवश्य जुड़े ।

नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से

आप हमारे ग्रुप और चैनल

में जुड़ सकते हैं

https://t.me/hindilibrary

https://t.me/requestbookpdf

चैनल में जुड़ने के लिए

लिंक पर Click करें👇👇👇

https://t.me/books_request

English Books 📚

https://t.me/Google_Ebooks

# आपकी अपनी
# किताब

कैसे लिखें कैसे छापें

# आपकी अपनी किताब

लेखक

**प्रियंका "आभास"**

Authorland Self Publishing
A #1 Book Publishing Company

Authorland Self Publishing
A #1 Book Publishing Company

Office No. 03, Guru Harkishan Nagar,
Paschim Vihar, Delhi, 110087
Website: www.authorlandselfpublishing.com
Email: publish@authorlandselfpublishing.com

First Published by Authorland Self Publishing 2023
Copyright © प्रियंका “आभास”
All Rights Reserved.

Title: आपकी अपनी किताब
Price: ₹ 99 | $ 1.99
ISBN: 978-81-963253-5-0

No part of this book may be reproduced or transmitted in any form whatsoever, electronic, or mechanical, including photocopying recording, or by any informational storage or retrieval system without the expressed written, dated and signed permission from the author.

LIMITS OF LIABILITY/DISCLAIMER OF WARRANTY: The author and publisher of this book have used their best efforts in preparing this material. The author and publisher make no representation or warranties with respect to the accuracy, applicability or completeness of the contents. They disclaim any warranties (expressed or implied), or merchantability for any particular purpose. The author and publisher shall in no event be held liable for any loss or other damages, including but not limited to special, incidental, consequential, or other damages. The information presented in this publication is compiled from sources believed to be accurate, however, both the publisher and author assume no responsibility for errors or omissions. The information in this publication is not intended to replace or substitute professional advice. The strategies outlined in this book may not be suitable for every individual, and are not meant to provide individualized advice or recommendations. The characters in this book are entirely fictional. Any resemblance to actual persons living or dead is entirely coincidental.

All disputes are subject to Delhi jurisdiction only.

Printed in India.

# विषय सूची


1. लेखक माने क्या?
2. दो प्रकार के लेखक
3. चेतन भगत का क़िस्सा
4. ध्यान रखें
5. लेखन से पहले की तैयारी
6. छपने से पहले ज़रूरी
7. अब बारी छपने की
8. कितना आसान?
9. अमेज़न पर कितना खर्च होता है?
10. अमेज़न को क्या फ़ायदा?
11. पब्लिश होने में कितना समय लगता है?
12. कितना मुश्किल?
13. फिर अच्छी किताब कैसे छपे?
14. पब्लिशिंग हाउस द्वारा
15. रॉयल्टी की बात
16. कॉपीराइट
17. सेल्फ पब्लिशिंग कंपनी द्वारा
18. जीएसटी का चक्कर नहीं

19. सर्विस प्रोवाइडर हैं यह

20. अलग-अलग पैकेज

21. सबसे सस्ता पैकेज

22. आपके लिए कौन सी कंपनी बेहतर

# लेखक माने क्या?

शायद आपने भी किसी पुरानी बॉलीवुड फ़िल्म में लेखक का करेक्टर देखा हो। लंबा कुर्ता, बिखरे बाल, बेतरतीब दाढ़ी, कंधे पर झोला और मोटा चश्मा। कुछ समय पहले तक कुछ इसी तरह लेखक की छवि उभरती थी।

हालाँकि, लेखक की यह तस्वीर पहले भी पूरी तरह सच नहीं थी। बड़ी शोहरत वाले लेखक सदैव से रहे हैं। लेकिन आज लेखक के बारे में यह धारणा पूरी तरह बदल चुकी है। चाहे पैसा कमाने की बात हो या लोगों के बीच पहचान की, आज के सफल लेखक ख़ुद में किसी सेलिब्रिटी से कम नहीं हैं।

वक्त बदल चुका है। आज ऑनलाइन सेल का दौर है, जिसके कारण कोई-कोई लेखक तो रातों-रात स्टार लेखक बन जाते हैं। उनकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उनका आइडिया, उनका स्टाइल लोगों को कितना पसंद या नापसंद आता है। आज तमाम ऐसे लेखक हैं, जो केवल लिखकर ही बेहतरीन ज़िंदगी गुज़ारते हैं।

क्या आप भी लेखक बनना चाहते हैं? क्या आपके भीतर भी कोई ऐसा आईडिया है, जिसे आप किताब के रूप में पब्लिश करना चाहते हैं? यदि आपके मन में ऐसा कोई विचार है, तो इस छोटी सी किताब में हम आपको बड़े काम की बातें बताने जा रहे हैं। इसे पढ़कर आप जान सकेंगे कि यदि आपको कोई किताब लिखनी है, तो आपको किन बातों का विशेष ध्यान रखने की ज़रूरत है। इसके साथ ही आप यह भी जान सकते हैं कि आपकी किताब पब्लिश कैसे होगी?

# दो प्रकार के लेखक

सबसे पहले तो यह जान लें कि लेखक दो तरह के हो सकते हैं। एक, प्रोफेशनल लेखक, दूसरे शौक़िया लेखक। प्रोफेशनल लेखक वे होते हैं, जो लेखन को ही जीविकोपार्जन बनाकर काम करते हैं। उनका जीवन लेखन कार्य में गुज़रता है। इस श्रेणी में छोटे-बड़े तमाम तरह के लेखक होते हैं, जो अलग-अलग विषयों पर लिखते रहते हैं।

दूसरी श्रेणी में वे लोग होते हैं, जिनका व्यवसाय तो कुछ और होता है, लेकिन उन्हें लिखने का शौक़ होता है। जैसे कोई डाक्टर, वकील, शिक्षक, कलाकार, व्यवसायी या कोई भी जिसका कामधंधा तो कुछ और है, लेकिन उन्हें लिखने का शौक़ है। उन्हें इस बात की कोई फ़िक्र नहीं होती कि किसी किताब को लिखने से उन्हें आर्थिक रूप से कितना लाभ होगा। वे चाहते हैं कि उनकी लिखी बात बहुत से लोगों तक पहुँचे। इन्हें आप शौक़िया लेखक मान सकते हैं।

मज़ेदार बात यह है कि इसी श्रेणी में बहुत से ऐसे लेखक भी हैं, जिनका व्यवसाय तो कुछ और था या जो करना तो कुछ और चाहते थे, लेकिन उन्होंने अपने शौक़ के चलते कुछ लिखा, जो पब्लिश होने के बाद इतना हिट हुआ कि बड़े-बड़े प्रोफेशनल लेखक भी उनके आगे फीके पड़ गये। फिर हिट होने के बाद उन्होंने लिखने को ही उन्होंने प्रोफ़ेशन बना लिया।

# चेतन भगत का क़िस्सा

भारत में शायद ही कोई होगा जिसने चेतन भगत का नाम नहीं सुना होगा। चेतन के लेखक बनने की कहानी भी किसी उपन्यास से कम नहीं। उनका जन्म 22 अप्रैल 1974 को हुआ था। उन्होंने आईआईटी दिल्ली और आईआईएम अहमदाबाद से डिग्री हासिल की।

सोचिए, इंजीनियरिंग एयर मैनेजमेंट की इतनी उच्च शिक्षा प्राप्त करते समय क्या ख़ुद कभी चेतन ने सोचा होगा कि वे आगे जाकर इतने सफल लेखक बनेंगे? कई साल तक हांगकांग में इन्वेस्टमेंट बैंकर के तौर पर काम करने के बाद वे अपना राइटर बनने का सपना पूरा करने के लिए मुंबई आए। और उसके बाद एक के बाद एक उनकी किताबें इतनी हिट हुईं कि ब्रिटेन के मशहूर न्यूज़पेपर दि गार्डियन ने उन्हें "पेपरबैक किंग" की उपाधि दी।

# ध्यान रखें

अगर आपके मन में भी ऐसा ही कोई सपना है, लिखने के लिये कोई आइडिया है, तो आपको कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना ज़रूरी है। सबसे पहले तो आपको यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि आप जो लिखने जा रहे हैं, वह विषय आपको कितना पसन्द है, इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता। आपको यह समझना होगा कि लोगों को क्या पसंद आएगा। तभी आपका लिखा किसी मुक़ाम तक पहुँच सकता है।

अगर आपके लिखे को केवल आपको ही पढ़ना है, तो लिखने का क्या लाभ? और अगर आप अपनी बात बहुत से लोगों तक पहुँचाना चाहते हैं, तो आपको अपनी नहीं बल्कि पाठकों की पसंद का ध्यान रखना होगा, क्योंकि आप छपने के लिए किताब हैं और किसी भी छपी हुई चीज की सफलता तभी है जब उसे ज़्यादा से ज़्यादा लोग पढ़ना चाहें।

# लेखन से पहले की तैयारी

इसीलिए सबसे पहले तो विषय का चयन सोच समझकर करें। उसके बाद आप एक ब्रीफ़ नोट बनायें, जिसमें आपको क्रम तय करना होगा कि आप कहाँ से लिखना शुरू करेंगे और कैसे एक-एक चैप्टर करके आप आगे बढ़ते हुए अंत तक जाएँगें।

यह बहुत ज़रूरी काम है। अगर आपके पास किताब की सही रूप रेखा होगी, तो आपकी किताब व्यवस्थित ढंग से पूरी हो सकेगी। वरना थोड़ा सा लिखने के बाद ही आप फँस सकते हैं।

जो भी लिखें, उसे लिखते समय इस बात का ध्यान रखें कि वह आगे कैसा रूप लेगा। इसके लिए व्यवस्था बनाकर लिखना ज़रूरी है। लेखन में अगर बहाव नहीं है, तो पढ़ने वाले को मज़ा नहीं आता। आप जो कहना चाह रहे हैं उसमें फ़्लो का होना ज़रूरी है। तारतम्यता बनी रहनी चाहिए। ऐसा करने से आपका लिखा रोचक होगा।

आपको एक-एक पेज, एक-एक चैप्टर करके लिखना चाहिए। इससे आपके साथ ही पब्लिशर को भी किताब तैयार करने में आसानी होगी।

# छपने से पहले ज़रूरी

एक बार किताब पूरी होने के बाद उसे ख़ुद से कम से कम दो बार ज़रूर पढ़ें और देखें कि कहीं कुछ छूटा तो नहीं, कोई बात रिपीट तो नहीं हुई, कहीं कोई शब्द या वाक्य ग़लत तो नहीं। जब आपको इन बातों का यक़ीन हो जाये, तो ही उसे फाइनल कॉपी मानें।

वैसे तो आजकल बहुत कम लोग ही ऐसे हैं, जो काग़ज़ या डायरी में लेखन करते हैं। यदि आप ऐसे लोगों में शामिल हैं, तो आपको अपनी फाइनल कॉपी को कहीं से टाइप करवाना होगा। डायरी में लिखी गई कॉपी किसी भी हाल में कारगर साबित नहीं होगी। किसी भी पब्लिशर के पास आपकी हैंडराइटिंग में लिखी डायरी को पढ़ने की जहमत नहीं उठाएगा।

कंप्यूटर पर लिखने वालों को भी फॉन्ट का ध्यान रखना चाहिए। याद रखें कि आपने जो लिखा है, वह प्रकाशित करने के लिए आपको कई जगह भेजना पड़ सकता है। इसलिए फॉन्ट यूनिकोड (मंगल फॉन्ट) ही रखें। इस फॉन्ट में लिखी रचना को आसानी से किसी को भी मेल किया जा सकता है। उसे कहीं भी पढ़ा जा सकता है। पब्लिशर ए 4 साइज में टाइप की हुई कॉपी की माँग करते हैं, इसलिए इसे तैयार रखें।

इसके अलावा यदि आप ओपन सोर्स ऑपरेटिंग सिस्टम को इस्तेमाल कर रहे हैं तो कनवर्ट करने जैसी समस्याओं से निपटने का तरीका भी शुरू में ही सोच लेना अच्छा है। बाद में यह सिरदर्द बनने से बच जाएँगे। ज्यादा कॉन्टेंट को मैनेज करना परेशानी खड़ी कर सकता है।

# अब बारी छपने की

एक ज़माना था, जब किताब छपना लोगों के लिए किसी सपने जैसा होता था। एक किताब के लिखने से लेकर उसकी प्रिंटिंग, बाइंडिंग और प्रकाशित होकर बाज़ार में आने में लंबा समय लगता था। नई तकनीक आने से चीजें बिलकुल बदल चुकी हैं। पहले यह सिर्फ़ पब्लिशर पर निर्भर करता था कि कौन सी किताब छपने योग्य है या नहीं। अब किताब पब्लिश होने के तमाम दूसरे साधन उपलब्ध हैं। यानी पब्लिशर तो आज भी मौजूद हैं। लेकिन अब आप ख़ुद भी अपनी किताब पब्लिश कर सकते हैं।

# कितना आसान?

ख़ासतौर से amazone पर किंडल पब्लिशिंग आने के बाद पूरी दुनियाँ में किताबों के प्रकाशन का तरीक़ा ही बदल गया। अब आप चाहें, तो अपनी किताब लिखकर घर बैठे ही ख़ुद उसे amazon या Google आदि पर पब्लिश कर सकते हैं। वहाँ आपका एक अकाउंट होता है, जो आपके बैंक अकाउंट से लिंक होता है। आपकी जो किताब बिकेगी, उसका पैसा अपने आप आपके बैंक में आ जाएगा।

सुनने में यह जितना आसान लग रहा है, वह वास्तव में भी इतना ही आसान है। लेकिन इसमें कुछ पेंच हैं, जिन्हें समझना ख़ासकर नये लेखकों को बहुत ज़रूरी है।

आप youtube पर बस टाइप करिए, "हाउ तो पब्लिश माय बुक" आपको इतने वीडियो मिल जाएँगे कि आप उन सबको देख भी नहीं पाएँगे। उसमें आपको किताब का ISBN नंबर लेने से लेकर बुक फ़ॉर्मेट करने, किताब का कवर तैयार करने और उसे अपलोड करने तक के सारे तरीक़े पता चल जाएँगे। सही बात तो यह है कि कोई भी उन वीडियो को देखकर आसानी से अपनी बुक पब्लिश भी कर सकता है। लेकिन असली बात आपको इसके बाद ही समझ आएगी। वैसे भी इन सब तरीक़ों से केवल ebook तैयार हो सकती है। पेपरबैक यानी काग़ज़ पर बुक प्रिंट करवाना बिलकुल अलग काम है।

# अमेज़न पर कितना खर्च होता है?

अमेज़न पर किताब प्रकाशित करने की लिए आपको एक पाई भी नहीं चुकानी होती। ISBN भी मुफ़्त में मिल जाता है। यहाँ सबकुछ बिलकुल मुफ़्त है। यहाँ तक कि अमेज़न आपके लिए पेपरबैक भी ख़ुद तैयार करता है। आपको सिर्फ़ अपनी किताब अपलोड करनी होती है। हालाँकि भारत में अमेज़न हिन्दी या भारतीय भाषाओं के लिए पेपरबैक की सुविधा नहीं देता।

# अमेज़न को क्या फ़ायदा?

आपकी किताब की प्रिंटिंग से लेकर उसे बेचने तक सब कुछ अमेज़न खुद संभालता है। इसमें हर जगह वह कुछ-न-कुछ अपना हिस्सा रखता है। यहाँ सबसे मज़ेदार बात यह है कि अपनी किताब की क़ीमत भी आप जो चाहे वह रख सकते हैं।

आपको पता होता है कि आपकी बुक की प्रिंटिंग आदि में कितना खर्च हुआ, जिसे अमेज़न काटेगा। आपके अकाउंट में सेल रिपोर्ट भी दिखती है। आपकी जितनी किताबें बिकती हैं, अमेज़न 60 दिन में उसकी रक़म आपके बैंक खाते में ट्रांसफ़र कर देता है।

जब आप अमेज़न kdp (किंडल डायरेक्ट पब्लिशिंग) से अपनी पुस्तक पब्लिश करते हैं तो आपको ISBN फ्री में मिलता है।ISBN की जरूरत केवल पेपरबैक या हार्डकवर format के लिए ही पड़ती है। अगर आप सिर्फ eBook पब्लिश करना चाहते हैं, तो इसके लिए ISBN की ज़रूरत नहीं होती।

# पब्लिश होने में कितना समय लगता है?

अमेज़न पर आपने अपना अकाउंट बनाया हुआ है, तो वहाँ किसी किताब को अपलोड करने में मुश्किल से 15 मिनट का समय लगता है। फिर अमेज़न उसका Review करता है, जिसमें 24 घंटे से 7 दिन तक का समय लग सकता है।

यानी कुल मिलाकर केवल एक हफ्ते या उससे भी कम समय में आप अपनी किताब को अमेज़न के केडीपी प्लैटफ़ार्म की मदद से पब्लिश कर सकते हैं। ये तरीका परंपरागत तरीके से बिलकुल सुपरफास्ट और विश्वसनीय है. साथ ही फ्री और फालतू के सरदर्द से भी मुक्त है. सबसे बड़ा प्लस पॉइंट तो ये है की आप अमेज़न के करोड़ों ग्राहकों तक अपनी बुक आसानी से पहुंचा सकते हैं, वो भी लगभग पूरी दुनिया में।

# कितना मुश्किल?

जैसाकि हमने पहले ही कहा कि आप अपनी किताब इसलिए लिखते हैं, ताकि लोग उसे पढ़ें। लोग जब किसी किताब को ख़रीदते हैं, तो सबसे पहले उसकी क्वालिटी देखते हैं। ऐसे में हम ख़ुद से जो किताब तैयार करते हैं उसमें और प्रोफ़ेशनल तरीक़े से तैयार किसी किताब में इतना फ़र्क़ होता है, जिसकी तुलना ज़मीन आसमान से भी करना भी ग़लत है।

मतलब, ऐसी किताबें अलग ही चमक जाती हैं, जो लोग ख़ुद से ही तैयार करके पब्लिश कर देते हैं। आप तब तक बाक़ी किताबों से मुक़ाबला नहीं कर सकते, जब तक आप ख़ुद भी, इनडिजाइन, कोरल, फ़ोटोशॉप आदि पर काम करना नहीं जानते, जो अपने आप में एक बड़ी कला है, जिसे सीखने और उसमें माहिर होने में सालों लगते हैं।

मतलब यह कि आप youtube के वीडियो देखकर चंद रोज़ में वह काम नहीं सीख सकते, जो प्रोफेशनल लोगों के काम की क्वालिटी में चमकता है। ज़ाहिर है कि लोग किताब ख़रीदते समय उसकी क्वालिटी तो देखेंगे ही। वैसे भी किसी किताब की टाइपसेटिंग, फ़ॉर्मेटिंग, लेआउट, कवर डिजाइनिंग आसान नहीं, बल्कि टेढ़ा काम होता है। अगर आप उसे करेंगे, तो ख़ुद समझ सकेंगे।

# फिर अच्छी किताब कैसे छपे?

इसके लिए आपको थोड़ी डिटेल में जाकर चीजें समझनी होंगी। किसी भी किताब को तैयार करने में कई चरणों में काम होता है। जैसे टाइप सेटिंग, फ़ॉर्मेटिंग, कवर डिजाइनिंग। यह काम अलग-अलग प्रोफेशनल लोग करते हैं। इस काम को अगर आप ख़ुद करने की कोशिश करेंगे, तो तय मानिए कि आपकी किताब की क्वालिटी वैसी नहीं होगी, जैसी होनी चाहिए। एक अच्छी किताब को क़ायदे से पब्लिश करने के दो तरीक़े हैं—

1.किसी पब्लिशिंग हाउस द्वारा

2.किसी सेल्फ पब्लिशिंग कंपनी द्वारा

हम इन दोनों के बारे बारीकी से आपको जानकारी देंगे। इस तरह आप अपनी किताब पब्लिश करने के सभी तरीक़ों के बारे में जानकार ख़ुद फ़ैसला कर सकेंगे कि आपके लिए क्या सही रहेगा।

# पब्लिशिंग हाउस द्वारा

आप अपनी किताब के प्रकाशन के लिए यदि किसी पब्लिशिंग हाउस से संपर्क करेंगे, तो अगर उनकी रुचि आपकी किताब में हुई, तो वे आपसे पहले सिनॉप्सिस और सैंपल चैप्टर की मांग करते हैं। इसलिए बेहतर यही होगा कि आप इसे तैयार रखें।

आप जितने बेहतर ढंग से पब्लिशिंग हाउस से संपर्क करेंगे, आपका उतना ही आसान होगा। अलग-अलग भाषा के बड़े पब्लिशर का चयन आप अपनी भाषा के अनुसार कर सकते हैं। उनके नाम और फ़ोन नंबर आपको इंटरनेट पर मिल जाएँगे।

आम तौर पर सभी बड़े पब्लिशर सिनॉप्सिस और सैंपल चैप्टर अपने पैनल के पास रिव्यू के लिए भेजते हैं। मान लीजिए इस रिव्यू में आपकी किताब पास हो गयी। तो इसके बाद उसे बिना नाम के ब्लाइंड रिव्यू के लिए भेजा जाता है। इसके लिए पब्लिशिंग हाउस कई नामी लेखकों को फ़ीस देकर उनकी सर्विस लेते हैं। अगर इसमें भी आपकी किताब पास हो गयी, तो इसके बाद ही किताब को छापने और उसके रेट तय करने का काम शुरू होता है।

इसलिए आपकी सिनॉप्सिस बहुत अच्छी होनी चाहिए, क्योंकि उसी के आधार पर आपकी किताब का फ़ैसला होना होता है। पब्लिशर मानते हैं कि सिनॉप्सिस से ही लेखक का पता चल जाता है। इससे यह आकलन हो जाता है कि लेखक कितने व्यवस्थित ढंग से लिख सकता है।

आपको बता दें कि पब्लिशर ईमेल से भेजी गई कॉपी भी स्वीकार कर लेते हैं। आप उन्हें जो मैटर भी भेजें, उसकी एक कॉपी अपने पास भी जरूर रखें। किताब में कुछ

जोड़ने या घटाने की सूरत में दोनों के पास सेम कॉपी होने से फ़ोन पर ही करेक्शन जो जाते हैं।

याद रखिए, किताब छापने में पब्लिशिंग हाउस का पैसा लगता है। वे व्यापार करने बैठे हैं। इसलिए उनका फ़ोकस इस बात पर होता है कि किताब बिकेगी या नहीं। इसलिए आपका लिखा आपकी नज़र में चाहे जितना अच्छा हो, पब्लिशर को अगर लगा कि वह नहीं बिकेगा, तो वह आपकी किताब नहीं छापेगा।

बड़े पब्लिशर किताब छापने न छापने का फैसला करने में ही साल-छह महीने लगा देते हैं। इसलिए आप किसी एक पर ही भरोसा करके न बैठ जायें। एक साथ कई जगह बात करें। अगर कहीं बात बन जाये, तो बाक़ी लोगों को सूचना ज़रूर दे दें। इससे उनकी नज़र में आपकी छवि सही रहेगी। कौन जाने अगली किताब के लिए आपको फिर उनके पास जाना हो।

# रॉयल्टी की बात

इसके लिए पब्लिशर और लेखक के बीच एक एग्रीमेंट होता है। उसमें शर्तें लिखी होती हैं। दुनिया भर में आमतौर पर लेखकों को 10 से लेकर 15 फीसदी तक की रॉयल्टी दी जाती है। हाँ, जिस दिन आप सेलिब्रिटी लेखक बन गये, तब सब आपके हिसाब से ही होगा। आजकल टीवी सीरियल, वेव सीरीज़ और फ़िल्म राइटिंग की भी खूब माँग है।

पब्लिशर चाहते हैं कि कोई ऐसी किताब हो, जिसपर आगे फ़िल्म आदि भी बन सके, तो उन्हें लाभ होगा। ऐसी किताब, जिसपर फिल्म और सीरियल बन सके तो लेखक को एकमुश्त भारी रक़म देकर भी पब्लिशर उसके सारे अधिकार ख़रीद सकते हैं। इसके अलावा आजकल ब्लॉगिंग की भी ख़ासी माँग है। इसे भी लोग कमाई के जरिये की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

पब्लिशर के साथ कोई भी एग्रीमेंट साइन करने से पहले ध्यान रखें कि आपकी किताब पर पहला हक़ आपका है। कई बार कुछ लोग लेखक की मजबूरी का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। उससे सावधान रहें।

अगर कोई पब्लिशर आपको एकमुश्त रक़म देकर आपसे आपकी किताब के सभी अधिकार खरीदने का ऑफर करता है, तो इस चक्कर में आप अपना बड़ा नुकसान कर सकते हैं। क्या पता आपकी पहली किताब ही भारी संख्या में बिके और उससे लाखों की कमाई हो। तब आपके पास पछताने के सिवा कोई चार नहीं होगा। पब्लिशिंग हाउस तो महज़ कुछ हजार रुपये देकर आपको चलता कर चुका होगा।

लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप पब्लिशिंग हाउस से अनाप-शनाप माँग करने लगें। ऊपर कही बात फिर ग़ौर कर लें पब्लिशर पैसा कमाने के लिए किताब छापते हैं, किसी को मशहूर करने के लिए नहीं। इसलिए मोल-भाव में ख़ुद को व्यावहारिक ही रखें।

कोई पब्लिशर कितनी संख्या में किताब छाप रहा है, यह जानना कठिन है। इसके लिए आप उसपर भरोसे से ज़्यादा कुछ नहीं कर सकते। असल में, कई पब्लिशर की मोटी कमाई का यही ज़रिया होता है।

# कॉपीराइट

वैसे तो अच्छे पब्लिशर कॉपीराइट लेखक के नाम से ही करवाते हैं। लेकिन फिर भी इस मामले में सतर्क रहें। हो सके तो किसी वक़ील से कॉपीराइट की जानकारी लें। हर सूरत में कॉपीराइट अपने नाम ही रखें।

आपको बता दें कि कॉपीराइट का अलग सरकारी दफ़्तर होता है। वहाँ छपी हुई दो किताबें जमा करने के साथ ही ज़रूरी सूचना देनी होती है। उसके बाद ही कॉपीराइट का सर्टिफिकेट जारी होता है। इसमें दो तीन महीने का वक़्त लग सकता है। इसलिए जानकारी पहला बचाव है।

# सेल्फ पब्लिशिंग कंपनी द्वारा

यह वह तरीक़ा है, जो आजकल छाया हुआ है। सेल्फ पब्लिशिंग कंपनी द्वारा किताब छपवाने का सबसे बड़ा फ़ायदा यह है कि आपकी किताब किसी बड़े पब्लिशिंग हाउस के बराबर क्वालिटी की तो होती है, लेकिन किताब के सारे अधिकार आपके हाथों में सुरक्षित रहते हैं। यहाँ तक कि रॉयल्टी भी 10% नहीं बल्कि पूरी की पूरी आपको मिलती है।

न कोई नख़रा न कोई झंझट। इसमें आपको अपना पूरा फोकस केवल अपनी बुक लिखने पर करना होता है। इसके अलावा किंडल और पेपरबैक दोनों तरह की किताब तैयार करने से लेकर उसे पब्लिश करने तक का सारा काम सेल्फ पब्लिशिंग कंपनी ख़ुद करके आपको देती है। वह भी आपकी मर्ज़ी के मुताबिक़।

यानी आपकी किताब जैसी आप चाहें वैसी ही छपेगी। इसके अलावा अमेज़न, फ़्लिपकार्ट आदि प्लेटफार्म आपकी बुक पब्लिश करने का काम भी वही कंपनी करेगी। इसमें आपकी मर्ज़ी से आपकी किताब का दाम तय होगा और किताब कितनी बिकी या नहीं बिकी यह भी आप ख़ुद देख सकेंगे, क्योंकि सेलिंग का अकाउंट आपका अपना होगा।

# जीएसटी का चक्कर नहीं

यहाँ एक बारीक बात समझने की ज़रूरत है। अमेज़न पर किंडल ebook पब्लिश करने में तो जीएसटी की ज़रूरत नहीं होती। लेकिन पेपरबैक सेल करने पर आपको सेलर अकाउंट चाहिए होता है, जिसके लिये जीएसटी नंबर होना भी ज़रूरी है। सेल्फ पब्लिशिंग कंपनी के द्वारा बुक पब्लिश करने में आपको यह झंझट भी नहीं होता, क्योंकि कंपनी अपना सेलर अकाउंट इस्तेमाल करती है। महीने के अंत में आपकी जितनी किताबें बिकी होती हैं, उसकी सेल रिपोर्ट और पैसा आपके बैंक अकाउंट में भेज दिया जाता है। इसके लिए सेल्फ पब्लिशिंग कंपनी से आप बाक़ायदा एग्रीमेंट करते हैं।

# सर्विस प्रोवाइडर हैं यह

असल में सेल्फ पब्लिशिंग कंपनी सर्विस प्रोवाइडर होती हैं, जो आपसे कुछ पैसे लेकर आपकी किताब की टाइप सेटिंग, फ़ॉर्मेटिंग से लेकर प्रिंटिंग और उसे पब्लिश करने का काम प्रोफेशनल ढंग से करती हैं। आजकल अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पब्लिशिंग हाउस ने भी सेल्फ पब्लिशिंग का काम शुरू कर दिया है।

# अलग-अलग पैकेज

सेल्फ पब्लिशिंग कंपनी के पास आपके बजट के हिसाब से कई पैकेज होते हैं। इसमें बुक पब्लिश करने के बाद उसकी मार्केटिंग भी की जाती है। इसके लिए सोशल मीडिया पर अपलोड की जाने वाली प्रचार सामग्री भी यही कंपनी तैयार करती हैं।

# सबसे सस्ता पैकेज

आमतौर पर किसी किताब को किंडल और पेपरबैक फ़ॉर्मेट में तैयार करके उसे पब्लिश करने के लिए यह कंपनी आपसे कम से कम 30-40 हज़ार रुपये चार्ज करती हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि सेल्फ पब्लिशिंग कंपनी कैसी है। इसके अलावा आपको जितनी भी कॉपी छपवानी है, आपको उसकी प्रिंटिंग कॉस्ट देनी होती है। आपकी सहूलियत के लिए बता दें कि लगभग डेढ़-दो सौ पेज (45-50 हज़ार शब्दों की) की काग़ज़ सहित प्रिंटिंग में लगभग 125 से 150 रुपये प्रति किताब खर्चा आता है।

# आपके लिए कौन सी कंपनी बेहतर

वैसे तो आजकल सेल्फ पब्लिशिंग कंपनी की बाढ़ आयी हुई है। उसमें अच्छी-बुरी हर तरह की कंपनी मौजूद हैं। लेकिन उनमें से आपके लिए कौन सी कंपनी बेहतर रहेगी, यह समझने के लिए आपको बस दो बातों का ख़्याल रखना है। पहली बात, कौन कितने पैसों में आपको आपकी किताब छापकर दे रहा है? दूसरी बात, क्या उस कंपनी के पास अच्छा प्रोफेशनल काम करने वाले लोग हैं? यह आप आसानी से जान सकते हैं।

इसके लिए सबसे बढ़िया तरीक़ा यह है कि आप उस कंपनी की उन किताबों को देखिए, जो वह पहले पब्लिश कर चुकी हैं। इससे आपको उनके काम की क्वालिटी का पता चल जाएगा। रही बात बाक़ी सब चीजों की, तो आप उनसे एग्रीमेंट का प्रारूप मंगाकर देख सकते हैं कि वे क्या-क्या काम करके आपको दे रही हैं, जिसके बदले आप उन्हें फ़ीस दे रहे हैं।

ऑथरलैंड सेल्फ पब्लिशिंग कंपनी के सभी ऑफर आप उसकी वेबसाइट पर देख सकते हैं।

Authorland
Self Publishing
A #1 Book Publishing Company

www.authorlandselfpublishing.com

ऐसे ही दुर्लभ उपन्यास ( Novel ) ,

प्रेरणादायक पुस्तक

( Motivational Book ) ,

प्रीमियम बुक , प्रीमियम मैगजीन ,

और अन्य सभी तरह के ,

कहीं पर भी ना मिल पाने वाले

उपन्यास

और साहित्य को पढ़ने के लिए हमारे

टेलीग्राम ग्रुप और चैनल में

अवश्य जुड़े ।

नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से

आप हमारे ग्रुप और चैनल

में जुड़ सकते हैं

https://t.me/hindilibrary

https://t.me/requestbookpdf

चैनल में जुड़ने के लिए

लिंक पर Click करें👇👇👇

https://t.me/books_request

English Books 📚

https://t.me/Google_Ebooks